न्यायाधीश ने कानूनी जगरूकता फैलाने वाली वैन को दिखाई झंडी

करनाल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता पैदा करने के लिए ट्रैवलर वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों और हरियाणा सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई लाभकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया जा सके।

इसके अलावा जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पटल पर अधिवक्ताओं से कहा कि समाज में अधिवक्ताओं को अहम भूमिका निभानी चाहिए ताकि समाज का वह व्यक्ति जो न्याय पाने में असमर्थ है, वह न्याय से वंचित ना रहे और इसके लिए प्रत्येक अधिवक्ताओं को समाज के लिए अपनी सेवाएं मुफ्त प्रदान करनी चाहिए।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि वैन पर करनाल के हर गांव में जिसमें एक अधिवक्ता और एक पैरा लीगल वॉलिंटियर तैनात होगा। एक महीने तक लोगों को जागरूक करेंगे ताकि उन्हें पता हो कि कानूनी तौर पर उनके क्या अधिकार है और सरकार की लाभकारी योजनाओं के बारे में जानकारी हासिल हो।

निगम दल द्वारा रेहड़ियां हटाने को लेकर हुआ हंगामा

करनाल (के सी आर्य) सेक्टर-6 मार्केट में नगर निगम वालों द्वारा रेहड़ी हटाने को लेकर आज जमकर हंगामा हुआ। हंगामे ने उस समय गम्भीर मोड ले लिया जब रेहड़ी वाले ने रेहड़ी हटाने से इनकार कर दिया। रेहड़ी लगाने वालों का कहना है कि वह पिछले 18-20 साल से रेहड़ी लगाकर अपने परिवार का गुजारा चला रहा है। पहले प्रशासन ने उनकी रेहडियां दूसरे स्थान से हटवाकर यहां लगवाई थी, लेकिन अब यहां से भी हटाई जा रही है। रेहड़ी चालक अमन, प्रदीप, रमेश ने कहा कि प्रशासन उनकी रेहड़ी हटवा रहा है, लेकिन उन्होंने प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना के तहत 50-50 हजार रुपए का लोन लिया हुआ है। यदि उनकी रेहड़ी हट जाएगी तो वह अपने परिवार का गुजारा कैसे चला पाएंगे और कैसे लोन की किश्तों को पूरा करेंगे। इन लोगों ने प्रशासन से रेहडियां नहीं हटाने की गुहार लगाई। रेहड़ी वालों ने कहा कि उन्हें ग्रीन बेल्ट पर रेहड़ी लगाने के लिए कहा जा रहा है, लेकिन वहां पर गंदगी है और हादसे का भी खतरा रहता है।

रेहड़ी वालों का कहना है कि कुछ दुकानदार अपनी दुकानों को चलाने के लिए पार्किंग का मुद्दा बनाकर उनकी रेहडियां हटवाना चाहते हैं। रेहड़ी हटने से उनकी रोजी-रोटी छीनी जाएगी। इस बारे में मार्किट के दुकानदारों का कहना है कि चारों तरफ रेहडिया खड़ी हो जाती हैं। उन्हें गाड़ी पार्क करने के लिए जगह नहीं मिलती जिस कारण उनकी दुकानदारी प्रभावित हो रही है।

सार्वजनिक सूचना

हम, अतीक पुत्र रसीद व खुर्शीदा पत्नी अतीक निवासीगण मकान न.213/2 अफगानन कलां, तितरो सहारनपुर, उत्तर प्रदेश-247343, के निवासी है और निम्नलिखित बयान शपथपूर्वक करते हैं कि:-

1. यह कि हम उपरोक्त पते के स्थाई निवासी है।

2. यह कि अहसान हमारा सगा पुत्र है, इल्मा पत्नी अहसान हमारी पुत्रवधु है। जो कि हमारे व हमारे परिवार के कहने सुनने से बाहर हैं और सदैव अपनी मर्जी से काम करते हैं और हमारे व हमारे परिवार के किसी भी सदस्य का कहना नहीं मानते तथा हमारे साथ आए दिन अभद्र व अपमानजनक व्यवहार, लड़ाई झगड़ा करते हैं।

3. यह कि हम अपने उपरोक्त पुत्र व पुत्रवधू को अपनी तमाम चल व अचल सम्पत्ति जो कि पूरे भारतवर्ष में जहां कहीं भी है, से बेदखल करते हैं। आज के बाद हमारा व हमारे परिवार के किसी भी सदस्य का उपरोक्त के साथ किसी भी प्रकार का कोई सम्बन्ध, ताल्लुक वास्ता नहीं होगा। तथा हमने अपने उपरोक्त पुत्र व पुत्रवधू से सारे रिश्ते-नाते खत्म कर दिये हैं।

4. यह कि आज के बाद यदि कोई व्यक्ति हमारे उपरोक्त पुत्र व पुत्रवधू से किसी प्रकार का कोई ताल्लुक, वास्ता, सम्बन्ध, व्यवहार व लेन-देन रखता है या कोई लोन आदि लेते हैं तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेवार होंगे हमारी व हमारे परिवार के किसी भी सदस्य की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

शपथीगण
अतीक

विज के आश्वासन पर चौटाला गांव के लोगों ने खत्म किया धरना

करनाल (जेके शर्मा) अपनी मांग को लेकर 10 दिन से करनाल में धरने पर बैठे सिरसा के चौटाला गांव के लोगों ने बुधवार दोपहर को गृह मंत्री अनिल विज के आश्वासन के बाद धरना खत्म कर दिया। चौटाला गांव के लोग कडक़ती ठंड में जिला सचिवालय के बाहर धरने पर बैठे थे। इन प्रदर्शनकारियों के समर्थन में आम आदमी पार्टी सहित कई संगठनों ने उतर कर सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की।

करनाल में प्रदर्शन कर रहे चौटाला गांव के ग्रामीण अंबाला में स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज से मिले थे। जिसमें अनिल विज ने उनकी मांगों को मानने का आश्वासन दिया। नागरिक अस्पताल में नवजात बच्चों की मौत की जांच करने और स्वास्थ्य केंद्र में खाली पड़े रिक्त पदों पर भर्ती किए जाने के लिए चौटाला गांव के लोगों ने 21 दिसंबर से जन चेतना यात्रा शुरू की थी। इससे पहले 21 दिनों तक ग्रामीणों ने सामुदायिक केंद्र पर धरना प्रदर्शन किया था। 1 जनवरी को चौटला गांव के लोग पैदल यात्रा करते हुए मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र करनाल में पहुंचे। इस दौरान इन लोगों को पूर्व प्रधान नवीन जयहिन्द और आम आदमी पार्टी के नेताओं ने समर्थन देकर

डिप्टी सीएम और अनिल विज की नीतियों की तीखी आलोचना की। कई दिनों के प्रदर्शन के बाद चौटाला के लोगों ने गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज से मुलाकात की। अनिल विज ने उनकी मांगें मान ली। मांगे पूरी होने के बाद चौटाला गांव के लोगों ने करनाल जिला सचिवालय के बाहर से अपना धरना समाप्त कर दिया है।

इस दौरान चौटाला गांव के लोगों ने कहा कि चौटाला के सामुदायिक केंद्र में गत दो माह में चार नवजात बच्चों की गर्भ में मौत हो गई थी।

अगर सामुदायिक केंद्र में डॉक्टरी सुविधा होती तो बच्चे जिंदा होते। स्वास्थ्य मंत्री ने लोगों की मांगों को ध्यान से सुनकर दो डॉक्टर स्थाई तौर पर तुरंत प्रभाव से भर्ती करने के आदेश जारी कर ग्रामीणों की बाकी मांगें पूरी करने का भरोसा दिलाया। इन लोगों से अनिल विज के सामने चौटाला गांव के उप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित जिलेभर में 400 से अधिक नवजात व शिशुओं की गर्भ में मौत प्रकरण की निष्पक्ष जांच की जाए।

स्वास्थ्य केंद्र में प्रसूति रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ लगाने,रिक्त पदों को भरने, लैब टेक्नीशियन, रेडियोग्राफर लगाने सहित ऑपरेशन थिएटर व मोर्चरी को दोबारा शुरू करने की मांग की। इन्हीं मांगों को लेकर चौटाला गांव के लोग गांव में काफी दिनों से आंदोलन कर रहे थे। जब उनकी मांग को नहीं सुना गया तो वह विवश होकर पैदल चलकर सीएम सिटी में अपनी आवाज उठाने के लिए पहुंचे और पिछले 10 दिनों से यहां भी प्रदर्शन करते रहे।

इंद्रेश ने लाहौर व कराची कब्जाने का दावा ठोक दिया

हिसार (म.मो.) सन् 2007 में दिल्ली से लाहौर को जाने वाली समझौता एक्सप्रेस को बम धमाके से उड़ाने की तफ्तीश ने सीबीआई को सहयोग न देने वाले, आरएसएस के बड़े नेता इंद्रेश ने हिसार के एक गांव राजली में भाषण देते हुए पाकिस्तान के दो बड़े शहरों-लाहौर व कराची को अपने कब्जे में लेने की बात कही। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की बढ़ती सफलता से बौखलाये तमाम संघियों की तरह परेशान इंद्रेश ने भी जनता का ध्यान भटकाने के लिये पाकिस्तान के विरुद्ध विष-वमन किया।

इनके पास शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महंगाई व देश की अर्थव्यवस्था से सम्बन्धित कोई कार्यक्रम तो है नहीं, इसलिये ले-दे कर इनके पास एक ही मुद्दा पाकिस्तान व मुसलमान का है। इस मुद्दे को लेकर इन्होंने जो नफरत व देश को तोड़ने वाले बीज बोये थे उनको राहुल की 'भारत जोड़ो' यात्रा ने इस कदर पलीता लगा दिया है कि तमाम संघियों की सिट्टी-पिट्टी गुम है।

इसी बौखलाहट के चलते वे भारत जोड़ो यात्रा को भारत तोड़ो बता रहे हैं। एक तरफ़ तो ये उस अखंड भारत की बात करते हैं जिसमें समूचा पाकिस्तान व बांग्लादेश शामिल होगा। दूसरी ओर ये लोग 80 प्रतिशत हिन्दुओं को मात्र 20 प्रतिशत मुसलमानों से डराते हुए कहते हैं कि मोदी नहीं होंगे तो मुसलमानों से हिन्दुओं को कौन बचायेगा? यहां सवाल यह उठता है कि जब बांग्लादेश और पाकिस्तान भी अखंड भारत में मिल जायेंगे तो मोदी जी हिन्दुओं को कैसे बचा पायेंगे?

उन्होंने जोर देकर कहा कि कराची व लाहौर जीतने का अरमान हर भारतीय में होना चाहिये। क्यों होना चाहिये और कैसे होना चाहिये इस पर उन्होंने कुछ नहीं कहा। केवल उक्त दो शहर ही क्यों पूरा पाकिस्तान ही क्यों नहीं? पाकिस्तान पर हर रोज गुर्राने वाले इन संघियों की चीन के सामने क्यों बोलती बंद हो जाती है? क्योंकि चीन की बढ़ती हुई सामरिक एवं आर्थिक शक्ति के सामने भारत कहीं नहीं टिकता।

जिस नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री को आजकल सपनों में भी राहुल गांधी नजर आ रहा है, उसे तीसरी बार भी प्रधानमंत्री बनाने की इच्छा इंद्रेश ने प्रकट की। क्यों न करे, कहावत भी है कि बिल्ली को सपने में भी छिछड़े ही नज़र आते हैं।

किसानों की अनदेखी करने का आरोप

करनाल। भारतीय किसान यूनियन(भाकियू) के प्रदेशाध्यक्ष रतनमान ने प्रदेश सरकार पर किसानों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए सीधे सीधे तौर पर कहा कि अगर सरकार ने जल्द ही गन्ने के खरीद भाव में बढ़ोतरी नही की तो प्रदेश के 101 किसान पंच चंडीगढ़ स्थित मुयमंत्री के आवास पर आने वाली 19 जनवरी को किसान पंचायत लेकर जाएगें।

यानी मुख्यमंत्री के आवास पर किसान पंचायत बिठाई जाएगी। इन किसान पंचों में प्रदेश के सभी जिलों के तथा सभी समुदायों के पंच शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि सभी पंचों के एक हाथ में गन्ना तथा दूसरे हाथ में गन्ना होगा। किसान नेता रतनमान ने साफतौर पर कहा कि अगर सरकार ने किसी भी तरह से किसान पंचों का अपमान करने का प्रयास किया गया तो इसका सीधे तौर पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल को खमियाजा भूगतना पड़ेगा। भाकियू की बैठक में आगामी 17 जनवरी से गन्ने की छिलाई न किए जाने के गत दिनों एक अन्य संगठन द्वारा लिए गए फैसले का भी सर्मथन किया गया। जिसको लेकर भाकियू के पदाधिकारी गांव-गांव जाकर इस संबंध में एक मुहिम चलाकर किसानों को लामबंद्व करेंगे।

बैठक को संबोधित करते हुए पानीपत जिलाध्यक्ष सोनू मालपुरिया, जींद से किसान नेता छज्जू राम कंडेला, यमुनानगर जिलाध्यक्ष सुभाष गुर्जर, प्रदेश संगठन सचिव शाम सिंह मान, किसान नेता नेकीराम गढ़ी बीरबल सहित कई किसान नेताओं ने कहा कि सरकार मौजूदा गन्ना पिराई सीजन 2022-23 के लिए गन्ने के दाम नही बढ़ा रही है। जिसकों लेकर किसान शांतिप्रिय संर्घष करके गन्ने के 450 रूपए प्रति किवंटल का भाव किए जाने की लगातार मांग कर रहे है।

करनाल सहकारी शुगर मिल स्थित किसान विश्राम गृह परिसर में भाकियू जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह व प्रवक्ता सुरेंद्र सागवान की अध्यक्षता में आयोजित की गई किसानों की बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार पर किसान विरोधी होंने के आरोप लगाए गए। इस बीच बैठक में मौजूद सैंकडों किसानों ने सरकार के विरूद्व जोरदार नारेबाजी भी की। भाकियू प्रदेशाध्यक्ष रतनमान ने मुख्यमंत्री के आवास पर पंचायत ले जाने के निर्णय का उल्लेख करते हुए बताया कि अगर किसी भी प्रकार के दो पक्षों के बीच किसी भी मसले को लेकर संभावित टकराव की आशंका से पूर्व खासतौर पर हरियाणवी परंपरा के अनुसार पचायतों का आयोजन किया जाता रहा है। हरियाणा हमेशा ही पंचायती व्यवस्था में विश्वास रखने वाला राज्य रहा है। इसलिए अंत में गन्ना आंदोलन के बीच भाकियू ने यह रास्त चुना है। ताकि बिना किसी टकराव के समाधान हो जाए।

उन्होंने कहा कि आनेवाली 26 जनवरी को जींद की अनाज मंड़ी में एसकेएम की ओर से उत्तर राज्यों की महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होंने का न्यौता भी दिया गया।

इस अवसर पर किसान नेता करण सिंह कालिया, जिले सिंह लालूपुरा, धनेतर राणा, दिलावर सिंह डबकोली, श्रीराम शर्मा, फतेसिंह मंगलोरा, संजीव नसीर पुर इलम सिंह, जसमेर सिंह, सुनील नली, कमल, अमन गांधी, शाम सिंह चौहान, विनोद राणा, ओमपाल, लछमन राणा, सतबीर मढ़ाण राजेश सहित सैकडों किसान मौजूद थे।